University in News on 18 December 2020

i-NEXT PAGE 4

विधि के निर्माता के बारे में जरूर सोचें

एलयू में हुआ गीता वर्ल्ड व्यू डिस्कवर प्रोग्राम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Dec): इस्कॉन यूथ फोरम के मधुस्मित दास ने गुरुवार को एलयू में आयोजित गीता वर्ल्ड व्यू डिस्कवर योर सेल्फ कार्यशाला के पहले सत्र में विचार रखे. यूनिवर्सिटी और इस्कॉन ने हाल ही में एलयू में आध्यात्मिक स्वास्थ्य और विद्यार्थियों के मानसिक कल्याण को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें गीता के उपदेशों पर एक विशेष क्रैश कोर्स को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी करने का निर्णय लिया गया था. दास ने सामाजिक कार्य सभागार में एकत्रित छात्रों और यूनिवर्सिटी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सत्र को देखने वाले लोगों को पूरे ब्रह्मांड के पीछे के मास्टरमाइंड के बारे में बताया. उन्होंने दर्शकों और श्रोताओं को ब्रह्मांड की उत्पत्ति के विचार, इसके पीछे के विभिन्न सिद्धांतों से साझा किया.

6 दिन होगी लाइव स्ट्रीम

दुनिया की कलात्मकता, संगठन, रचनात्मकता, डिजाइन, ऊर्जा और विधियों के पीछे के निर्माता के बारे में सोचने का आग्रह किया. भिक्षु दास ने छात्रों के साथ बातचीत की, उनके सवालों के जवाब दिए और आने वाले सत्रों में उनके उत्तरों की आत्म प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करने का वादा किया. गीता वर्ल्ड व्यू कार्यशाला छह दिनों तक जारी रहेगी और प्रतिदिन दोपहर तीन बजे लाइव स्ट्रीम की जाएगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएड प्रवेश के लिए पूल काउंसिलिंग शुरू

आठ नए कॉलेज जुड़ने से 700 सीटें बढ़ीं, 52 हजार है पंजीकरण शुल्क

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रदेश भर में बीएड प्रवेश के लिए मुख्य काउंसिलिंग के बाद बृहस्पतिवार से पूल काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हुई। पूल काउंसिलिंग में 8 नए कॉलेज जुड़ने के बाद सीटों की संख्या 700 बढ़ गई है। जबकि पहले दिन शाम 4 बजे तक 3218 अभ्यर्थियों ने पूल काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया।

लविवि की ओर से अगस्त में आयोजित संयुक्त बीएड प्रवेश-परीक्षा 2020-22 की पूल काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण बृहस्पतिवार से शुरू हुआ। पूल काउंसिलिंग में केवल वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में भाग नहीं लिया है या मुख्य काउंसिलिंग में भाग लिया था, मगर उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी या वे अभ्यर्थी जिन्हें मुख्य काउंसिलिंग के किसी भी चरण में सीट आवंटित हुई, लेकिन वे बकाया शुल्क का भुगतान नहीं कर सके।

राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि पूल काउंसिलिंग में आठ नये बीएड महाविद्यालय जोड़े गए हैं, जिससे 700 सीटें बढ़ गई हैं। विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 155346 सीटें आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों को सुझाव दिया है कि वे पूल काउंसिलिंग में च्वॉइस-फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पहले वेबसाइट पर दिए गए काउंसिलिंग दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें। महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें तथा उन्हें अपनी रुचि के क्रम में अधिक संख्या में भरें, जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सके।

साथ ही यह भी सुझाव है कि वे चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लॉक करने के पहले एक बार विचार कर लें। ताकि उन्हें बाद में किसी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि पूल काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय ही 52 हजार रुपये (पंजीकरण शुल्क 750 व महाविद्यालय शुल्क 51250) जमा करना होगा। यदि उन्हें कोई महाविद्यालय आवंटित होता है तो यह शुल्क उन्हें वापस नहीं किया जाएगा।

कैंपस में दोस्तों संग मस्ती अमर उजाला

लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिला पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही है। बृहस्पतिवार को क्लास खत्म होने के बाद छात्राएं कैंपस में कुछ इस अंदाज में नजर आईं। सर्द मौसम में फव्वारों के सामने सेल्फी लेकर इन तस्वीरों को यादगार के तौर पर हमेशा के लिए संजो लिया।

PIONEER PAGE 3

बीएड में पूल काउंसिलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

लखनऊ। प्रदेश भर के बीएड कालेजों में दाखिले के लिए चार चरणों की काउंसलिंग प्रक्रिया के पूरी होने के बाद खाली सीटों को भरने के लिए गुरुवार से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई। जबकि काउंसलिंग की प्रक्रिया बीते 19 नवंबर से शुरू हुई थी।

बीएड प्रवेश की राज्य प्रवेश समन्वक प्रो अमिता बाजपेयी ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2020-22 की पूल काउंसिलिंग के लिए आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। इसमें केवल वही स्टूडेंट्स प्रतिभाग कर सकते हैं। जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है या फिर प्रतिभाग करने के बाद भी उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी है। इसके अलावा उन्हें भी मौका मिलेगा जिन्हें सीट तो आवंटित हुईए लेकिन शेष शुल्क नहीं जमा कर पाए। प्रो अमिता बाजपेयी ने बताया कि इस बार काउंसिलिंग में आठ नए बीएड महाविद्यालय शामिल किए गए हैं। जिससे 700 सीटें भी बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि चार चरणों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 1,55,346 सीटें बची हैं। शाम चार बजे तके 3,218 अभ्यर्थियों ने पूल काउंसिलिंग के लिए आनलाइन पंजीकरण करा लिया था। उन्होंने कहा कि पूल काउंसिलिंग में च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया में डिग्री कॉलेजों चयन के पहले स्टूडेंट्स वेबसाइट पर उपलब्ध काउंसिलिंग निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें। सामान्य काउंसिलिंग की प्रक्रिया में पंजीकरण फीस, एडवांस फीस और सीट कन्फर्मेशन फीस देनी होती है। लेकिन पूल काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स को पंजीकरण के समय ही 52 हजार रुपये फीस जमा करनी होगी।

HINDUSTAN PAGE 6

मीसा लगने के बाद भी नहीं छोड़ीं शिक्षकों ने कक्षाएं...

प्रो. नवीन खरे

अगस्त 1975 में लखनऊ विश्वविद्यालय आया। कुछ दिन पहले ही 25/26 जून की रात को देश में इमरजेंसी लागू हुई। खैर विश्वविद्यालय में इसका कोई ज्यादा असर नहीं था। लेकिन, जब 1977 में हटाई गई तो जरूर असर नजर आया। उस समय दाखिले के लिए छात्रों की एक बाढ़-सी आई थी। हमने भी बीएससी करके एमएससी में दाखिला लिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में ये (1977-79) केमेस्ट्री का पहला और आखिरी बैच था जिसमें 160 से ज्यादा छात्र थे। मीसा बंदियों के दाखिले देर तक चलते रहे। थ्योरी तो ठीक लेकिन, प्रैक्टिकल के लिए विभाग में एक ही लैब थी। सब परेशान किया क्या जाए। कभी इतना बड़ा बैच पहले कभी आया ही नहीं था। फिर बीच का रास्ता निकाला गया। दो सेक्शन बनाए गए। सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तक एक बैच का प्रैक्टिकल होता। उसके बाद 12 से दो बजे तक दोनों बैच की थ्योरी की क्लास एक साथ होती। उसके बाद दो से छह बजे तक दूसरे बैच के प्रैक्टिकल होते। वो एक अजीब सी अस्थिरता का माहौल था। लैब में चोरियां। पुलिस का आना। रोज सुनने को मिलता कि कैम्पस में आज किसी छात्रनेता ने आग लगा दी। कहीं, कोई मारपीट हो गई। इन सबके बावजूद हमारे गुरुजनों ने स्थिति को संभाला।

प्रो. वीके पाण्डेय, प्रो.एके सेनगुप्ता, प्रो. टीएन श्रीवास्तव, प्रो. एमपी खरे, प्रो. आरसी श्रीवास्तव, प्रो. ओपी गुप्ता ...ये वो लोग थे जिन्होंने इस मुश्किल तौर में भी विभाग को मजबूती से संभाले रखा। मुझे नहीं याद, इतना दबाव और इतना काम होने के बाद भी कभी कोई किसी शिक्षक ने क्लास छोड़ी हो। पढ़ाई नियमित चलती रही। उसी का नतीजा है कि एमएससी कर पाया।

- प्रो. नवीन खरे, रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

NBT PAGE 6

60% अंक लाने वालों को 15 हजार हर साल

एलयूः कर्मयोगी योजना और छात्र कल्याण के लिए जल्द कर सकेंगे आवेदन

■ एनबीटी, लखनऊ

एलयू में ऐडमिशन लेने वाले गरीब विद्यार्थियों को फीस के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। एलयू प्रशासन ऐसे विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट वेलफेयर फंड योजना शुरू कर रहा है। इसके तहत दो योजनाएं चलाई जाएंगी। छात्र कल्याण स्कॉलरशिप के तहत 60 फीसदी अंक लाने वाले विद्यार्थियों को अब पांच हजार की जगह 15 हजार रुपये हर साल मिलेंगे। इसके अलावा कर्म योगी योजना के तहत एलयू में जॉब कर पैसा कमाने का अवसर भी मिलेगा। इन योजनाओं के लिए एलयू प्रशासन जल्द ही आवेदन पत्र निकालने जा रहा है। ये योजनाएं एलयू के प्रत्येक विभाग के स्टूडेंट्स के लिए शुरू की जाएंगी।

दिन में दो घंटे कामः एलयू में शुरू होने वाली कर्मयोगी योजना को मंजूरी मिल गई है। इसके तहत प्रफेशनल कोर्स कर रहे विद्यार्थियों को काम करने के लिए पैसा दिया जाएगा। इसके लिए एलयू ने नियम बनाया है कि एक छात्र को दिन में दो घंटे और साल में 50 दिन काम करने का मौका मिलेगा। इसके लिए प्रति घंटा 150 रुपये एलयू प्रशासन की ओर से स्टूडेंट्स को दिया जाएगा।

स्टूडेंट्स की आर्थिक मदद भी करेगा एलयूः एलयू में गरीब विद्यार्थियों के लिए अब तक पुअर सूटडेंट एड फंड योजना चलती थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कई स्टूडेंट्स स्वाभिमानी होने के कारण पुअर स्टूडेंट्स फंड नाम की वजह से स्कॉलरशिप नहीं लेते थे, जबकि उनको आर्थिक सहयोग की जरूरत भी होती थी। इस वजह से इसके नाम में बदलाव किया गया। एलयू में प्रवेश लेने वाले हर छात्र से फीस में 200 रुपये इस फंड के लिए जाते थे, जिससे गरीब विद्यार्थियों की मदद की जाती थी। एलयू में लगभग 20 हजार स्टूडेंट्स पढ़ते हैं, जिससे इस फंड में 40 लाख रुपये हर साल जमा होते हैं।

बढ़ाई गई मिनिमन इनकम लिमिट : इस योजना में अब तक उन स्टूडेंट्स को सहायता मिलती थी जिनके परिवार की वार्षिक आय दो लाख से कम है, लेकिन इस पॉलिसी में भी बदलाव किया गया है। परिवार की वार्षिक आय को बढ़ाकर 3 लाख कर दिया गया है। इसमें पहले स्टूडेंट को पूरी पढ़ाई के दौरान सिर्फ एक बार पांच हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी जाती थी। अब इसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दिया गया है।

60 प्रतिशत अंक लाने पर आगे भी मिलेगी स्कॉलरशिपः डीएसडब्लयू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि जो भी स्टूडेंट इस छात्रवत्ति का फॉर्म प्रथम वर्ष में भरेगा उसको उसके रिजल्ट के आधार पर 60 प्रतिशत अंक आने पर आगे की पढ़ाई के लिए भी हर साल 15 हजार रुपये स्कॉलरशिप दी जाएगी। नंबर 60 फीसदी से कम आएंगे तो केवल एक बार ही स्कॉलरशिप मिलेगी। इसके लिए भी नियम है कि पहले स्टूडेंट की आर्थिक बैकराउंड देखा जाएगा और मेरिट (पहले साल में 60 प्रतिशत अंक लाने पर) पर दी जाएगी।

बीएड प्रवेशः पूल काउंसलिंग में जोड़े गए 8 नए कॉलेज

एनबीटी, लखनऊः यूपी संयुक्त बीएड की 155346 खाली सीटों पर ऐडमिशन के लिए गुरुवार से ऑनलाइन पूल काउंसलिंग के पंजीकरण गुरुवार से शुरू हो गए। पूल काउंसलिंग के लिए महाविद्यालयों की सूची में 8 नए बीएड महाविद्यालय जोड़े गए हैं। इससे 700 सीटें बढ़ गई हैं। बीएड प्रवेश की राज्य प्रवेश समन्वय प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि गुरुवार शाम 4 बजे तक कुल 3218 अभ्यर्थियों ने पूल काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। **अभ्यर्थियों को जमा करनी होगी पूरी फीसः** पूल काउंसलिंग में स्टूडेंट्स को पंजीकरण के समय ही 52 हजार रुपये फीस जमा करनी होगी।

गीता वर्ल्ड व्यू पर वर्कशॉप शुरू

■ **एनबीटी, लखनऊः** एस्कॉन और लविवि के बीच हुए एमओयू के तहत गुरुवार को वर्कशॉप हुई। इसमें इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्ण कॉन्शसनेस यूथ फोरम के मधुस्मिता दास ऑनलाइन शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरे ब्रह्मांड के पीछे के मास्टरमाइंड की जानकारी दी। इसके साथ ही ब्रह्मांड की उत्पत्ति के विचार, इसके पीछे के विभिन्न सिद्धांतों और संभावित स्पष्टीकरणों को साझा किया। इस दौरान विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि गीता वर्ल्ड व्यूः डिस्कवर योरसेल्फ कार्यशाला 6 दिनों तक चलेगी।

बीएड की 1.55 लाख सीट खाली, पूल काउंसलिंग शुरू

लखनऊ। राजधानी समेत प्रदेश भर मे बीएड की करीब 1.55 लाख सीट खाली हैं। गुरुवार को इन पर प्रदेश के लिए पूल काउंसलिंग की शुरुआत की गई। राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि पूल काउंसलिंग के लिए महाविद्यालयों की सूची में 8 नए बीएड महाविद्यालय जोडे गए हैं। इससे 700 सीटें बढ़ गई हैं। विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 155346 सीटें आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। इस पूल काउंसलिंग में तीन वर्गों के अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं।

VISHWAVARTA PAGE 5

बीएड की पूल काउंसिलिंग शुरू

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। बीएड कॉलेज में दाखिले लिए मुख्य काउंसलिंग के सभी चार चरणों की प्रक्रिया पूरी हो गई। इसके बाद महाविद्यालयों की रिक्त सीटों को भरने के लिए गुरुवार से ऑनलाइन पूल काउंसिलिंग शुरू हो गई है। दाखिले के लिए अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराना भी प्रारम्भ कर दिया है। प्रदेश के महाविद्यालयों में बीएड दाखिले के लिए 19 नवम्बर से ऑनलाइन काउंसिलिंग चल रही है।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2020-22 की पूल काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। इसमें केवल वही छात्र भाग ले सकते हैं। जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में भाग नहीं लिया है, या फिर भाग लेने के बाद भी उन्हें कोई सीट नहीं आवंटित हो पायी है। इसके अलावा उन्हें भी मौका मिलेगा। जिन्हें सीट तो आवंटित हुई, लेकिन शेष शुल्क नहीं जमा कर पाए।

प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि इस बार काउंसिलिंग में आठ नए बीएड महाविद्यालय शामिल किए गए हैं। इस कारण 700 सीटें भी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि चार चरणों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 1,55,346 सीटें बची हैं। शाम चार बजे तक 3,218 अभ्यर्थियों ने पूल काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया है। उन्होंने कहा कि पूल काउंसिलिंग में च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय के चयन के पहले छात्र वेबसाइट पर उपलब्ध काउंसिलिंग निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

सामान्य काउंसिलिंग की प्रक्रिया में पंजीकरण फीस, एडवांस फीस और सीट कन्फर्मेशन फीस देनी होती है, लेकिन पूल काउंसिलिंग में छात्र को पंजीकरण के समय ही 52 हजार रुपये फीस जमा करनी होगी। जिसमें पंजीकरण फीस 750 रुपये महाविद्यालय फीस 51250 जमा करना है, अगर उन्हें कोई महाविद्यालय आवंटित होता है तो यह फीस उन्हें किसी भी दशा में वापस नहीं की जाएगी।

पूल काउंसिलिंग शुरू, अंतिम चरण में बढ़ी सात सौ सीटें

पूल काउंसिलिंग में आवंटित सीट पर फीस जमा की तो नहीं होगी वापस

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Dec): बीएड कॉलेज में एडमिशन के लिए चार चरणों की काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी हो गई है. अब इन डिग्री कॉलेजों की खाली सीटों को भरने के लिए ऑनलाइन पूल काउंसिलिंग के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई.

इन्हे मिलेगा मौका

19 नवंबर से बीएड कॉलेज में एडमिशन के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू हुई थी. बीएड एडमिशन की स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रो. अमिता वाजपेयी ने बताया कि संयुक्त एडमिशन परीक्षा बीएड-2020-22 की पूल काउंसिलिंग में केवल वही स्टूडेंट्स प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है या फिर प्रतिभाग करने के बाद भी उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी है. इसके अलावा उन्हें भी मौका मिलेगा जिन्हें सीट तो आवंटित हुई, लेकिन शेष फीस नहीं जमा कर पाए.

पूल काउंसिलिंग में जमा करनी होगी पूरी फीस

सामान्य काउंसिलिंग की प्रक्रिया में रजिस्ट्रेशन फीस, एडवांस फीस और सीट कन्फर्मेशन फीस देनी होती है, लेकिन पूल काउंसिलिंग में स्टूडेंट्स को रजिस्ट्रेशन के समय 52 हजार रुपये फीस जमा करनी होगी. इसमें रजिस्ट्रेशन फीस 750 रुपये, डिग्री कॉलेजों की फीस 51250 जमा करनी है. यदि उन्हें कोई डिग्री कॉलेज आवंटित होता है तो यह फीस उन्हें किसी भी दशा में वापस नही की जाएगी.

आठ नए विघालय शामिल

इस बार काउंसिलिंग में आठ नए बीएड डिग्री कॉलेज शामिल किए गए हैं, जिससे 700 सीटें बढ़ गई हैं. चार चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी अब तक कुल 1,55,346 सीटें बची हैं. शाम चार बजे तक 3,218 स्टूडेंट्स ने पूल काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है. पूल काउंसिलिंग में च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया में डिग्री कॉलेज के चयन से पहले स्टूडेंट्स वेबसाइट पर उपलब्ध काउंसिलिंग के निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें.

TOI PAGE 3

LU profs turn students to imbibe Gita wisdom

Times News Network

Lucknow: The teachers of Lucknow University transformed into students and learnt lessons from the Bhagwad Gita as they started a seven-day certificate course on Thursday.

Teachers from all the faculties imbibed learnings to face challenges in life, stay motivated and face hardships with a positive mind. The teaching of Bhagwad Gita was organized by Iskon Youth Forum at the public administration department hall.

Around 15 teachers joined the course in offline mode and rest in online. The lecture in course 'Discover Yourself' based on teachings from Bhagwad Gita was delivered by engineering and management graduate-turned monk Madhusmita Das from ISKCON Youth Forum.

The certificate course will have sessions on topics like 'Can a scientist believe in God, Getting eyes to see God, Vedas — Privilege of humanity, The science of the soul, Material versus spiritual world, If God is one, why so many religions and Yoga for the Modern age.

"Citing that some scientists believe in god, some believe partially and some don't, he explained whether one believes or not, but should think that there is a creator behind the universe else it would have not been there. The session was of great help as it taught about having a positive approach in life," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon.

"The scientific orientation of spirituality and interpretation of Bhagwad Gita has given a new perspective and the ability to think differently," said another professor.

LU spokesperson Durgesh Srivastava said, "LU and ISKCON had recently signed an MoU to strengthen the spiritual health and well-being of students and teachers with a special crash course on the teachings of Gita delivered online as well as offline."

JAGRAN CITY PAGE III

बीएड के लिए 3218 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग में करवाया पंजीकरण

जासं, लखनऊः संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड की पूल काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया गुरुवार को शुरू हो गई है। पूल काउंसलिंग में केवल वही अभ्यर्थी हिस्सा ले सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउंसिलिंग में हिस्सा न लिया हो अथवा मुख्य काउंसिलिंग में प्रतिभाग किया था मगर, उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हुई थी।

शाम चार बजे तक कुल 3218 अभ्यर्थियों ने पूल काउंसलिंग ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया था। विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 155346 सीटें आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा ने अभ्यर्थियों को पुनः परामर्श दिया है कि वे पूल काउंसिलिंग में च्वाइस-फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध काउंसिलिंग दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें।

इस्कॉन के विशेषज्ञों ने बताया, ब्रह्मांड के पीछे एक मास्टरमाइंड

जासं, लखनऊ : इस्कॉन यूथ फोरम के मधुस्मित दास ने गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित गीता वर्ल्ड व्यू : डिस्कवर योरसेल्फ कार्यशाला के पहले सत्र में विचार रखे। विश्वविद्यालय और इस्कॉन ने हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक स्वास्थ्य और विद्यार्थियों के मानसिक कल्याण को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें गीता के उपदेशों पर एक विशेष क्रैश कोर्स को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी करने का निर्णय लिया गया था। दास ने सामाजिक कार्य सभागार में एकत्रित छात्रों और विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सत्र को देखने वाले लोगों को ब्रह्मांड के पीछे के मास्टरमाइंड के बारे में बताया।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

बीएड पूल काउंसलिंग को ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विगत अगस्त माह में आयोजित की गयी उप्र संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-22 की पूल काउन्सिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को प्रारम्भ हो गयी। इस पूल काउंसलिंग में केवल वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने मुख्य काउन्सिलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है अथवा मुख्य काउंसलिंग में प्रतिभाग किया था किन्तु उन्हें कोई सीट आबंटित नहीं हो सकी है अथवा वे अभ्यर्थी जिन्हें मुख्य काउंसलिंग के किसी भी चरण में सीट आबंटित हुई, किन्तु शेष शुल्क का भुगतान करने में विफल रहे।

पूल काउन्सिलिंग के लिए महाविद्यालयों की सूची में आठ नये बीएड महाविद्यालय जोड़े गये हैं, जिससे 700 सीटें बढ़ गई हैं। विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में अब कुल 15,5346 सीटें आबंटन के लिए उपलब्ध हैं। आज सायंकाल चार बजे तक कुल 3,218 अभ्यर्थियों ने पूल काउन्सिलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया था। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीएड-2020-22 के अभ्यर्थियों को पुनः परामर्श दिया है कि वे पूल काउन्सिलिंग में च्वाइस-फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध काउन्सिलिंग के दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें व महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें तथा उन्हें अपनी रूचि के क्रम में अधिकाधिक संख्या में भरें जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकें। साथ ही यह भी सुझाव है कि वे अपने द्वारा चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लाक करने के पूर्व उन पर एक बार पुनः विचार कर लें जिससे उन्हें अपने आवंटित महाविद्यालय की उनके निवास से दूरी आदि अन्य समस्याओं का सामना न करना पड़े।

पूल काउन्सिलिंग में अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय ही कुल 52,000 रुपए (अर्थात पंजीकरण शुल्क 750 रुपए व महाविद्यालय शुल्क 51,250 रुपए) जमा करना होगा।

सूची में 8 नये बीएड महाविद्यालय जोड़े गये, जिससे 700 सीटें बढ़ीं अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय ही 52,000 रुपए (पंजीकरण शुल्क 750 रुपए व महाविद्यालय शुल्क 51,250 रुपए) जमा करना होगा